

निगम में टेकेदारों के अधीन 4006 श्रमिक काम करते हैं।

(ख) कोयले के लदान और परिवहन कार्य में लगे टेकेदारों के 1775 श्रमिक कोयला मजदूरी बोर्ड की सिफारिशों का लाभ प्राप्त करते हैं। सिविल निर्माण कार्यों में काम करने वाले शेष 2231 श्रमिक इस प्रकार के लाभ प्राप्त नहीं करते।

**Designing and Engineering of Steel Plants
by Central Engineering and Design
Bureau of Hindustan Steel Ltd.**

7099. SHRI P. GANGADEB :
SHRI PRABHUDAS PATEL :

Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state :

(a) whether the Central Engineering and Design Bureau of Hindustan Steel Ltd. is to be made a separate Organisation dealing exclusively with designing and Engineering of steel plants ;

(b) if so, the time by which the final decision in this regard is likely to be taken ; and

(c) how far this proposal will be helpful ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI SHAHNAWAZ KHAN): (a) A proposal to convert the Central Engineering and Design Bureau of Hindustan Steel Ltd. into a separate Company is presently under consideration.

(b) A final decision in the matter is likely to be taken in the near future.

(c) In the context of its present enlarged activities and future role, the object of the proposed conversion under consideration is to enable the Bureau to work more effectively as a Consultancy Organisation.

मध्य प्रदेश में कारखानों अथवा कम्पनियों द्वारा कर्मचारी भविष्य निधि का दुरुपयोग

7100. डा० लक्ष्मीनारायण पांडे : क्या भ्रम और पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में ऐसे कारखानों और

कम्पनियों की संख्या कितनी है जिनके विरुद्ध सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि में समय पर अपने भाग का अंशदान करने या उक्त निधि का व्यक्तिगत कार्य के लिये दुरुपयोग करने के कारण कार्यवाही की है ;

(ख) उक्त कम्पनियों के नाम क्या हैं ; और

(ग) उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है ?

भ्रम और पुनर्वास मंत्री (श्री आर० के० खाडिलकर) (क) से (ग). कर्मचारी भविष्य निधि की व्यवस्था का सम्बन्ध केन्द्रीय न्यासी बोर्ड से है जो कर्मचारी भविष्य निधि और परिवार पेंशन निधि अधिनियम 1952 के अधीन स्थापित किया गया है और इससे केन्द्रीय सरकार का सीधा सम्बन्ध नहीं है। भविष्य निधि प्राधिकारियों द्वारा भेजा गया एक विवरण, जिसमें मध्य प्रदेश के ऐसे दूट न प्राप्त प्रतिष्ठानों के नाम दिए गए हैं जिनकी ओर 31-3-1971 को एक लाख और इससे अधिक रुपये की भविष्य निधि की राशि बकाया थी तथा जिसमें उस राशि को वसूल करने हेतु की गई कार्यवाही वर्णित है, सभा पटल पर रखा है। [ग्रन्थालय में रखा गया। देखिये संख्या LT—816/71]

बंगला देश से भारी संख्या में आये शरणार्थी

7101. डा० लक्ष्मीनारायण पांडे :

श्री प्रबोध चन्द्र :

क्या भ्रम और पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बंगला देश से अब तक लगभग 70 लाख शरणार्थी भारत में प्रवेश कर चुके हैं ;

(ख) इन शरणार्थियों को किन-किन राज्यों में भेजा जा रहा है ;

(ग) इन शरणार्थियों को ठहराने के लिए